nt>

Title: Need to allocate funds to clean the drains and canals to save the villages in Rajasthan and Madhya Pradesh.

श्री रामनारायण मीणा (कोटा) : सभापति महोदय, राजस्थान और मध्य प्रदेश की भूमि को सींचने के लिए चम्बल बांध से जो नहरें निकली हैं, उसके आसपास जो कृषि जन्य पैदा होते हैं, उसके आधार पर उनको गत वर्ष अधिकतम उत्पादकता पुरस्कार भारत सरकार ने दिया था लेकिन वास्तविकता यह है कि वहां जब खेतों में किसान टयूबवैल या कुंए से सिंचाई करते हैं तो उनको दूसरी जगहों से जोड़ दिया जाता है। वहां किसान को बहुत बुरी हालत में जीना पड़ रहा है। वहां नहरों की कतई सफाई नहीं होती। इसके लिए कोई फंड नहीं मिलते। दीगोद तहसील के गांवों में ड़ेनों की सफाई न होने से बरसात के पानी से लोगों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है। वहां आवागमत खत्म हो गया है। बहुत से गांवों की यह हालत है। नहरों की सफाई न होने से किसानों को इस वर्ष पानी मिलना मुश्किल हो जाएगा। किसान को बहुत मुश्किल में जीना पड़ रहा है। चम्बल की वृहद सिंचाई योजना होते हुए भी बाराबंदी सिंचाई योजना से कतई पानी नहीं दिया जाता। उनकी इसको लेकर आपस में लड़ाई भी हो जाती है। इससे कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ जाती है। ड़ेनों और नहरों की सफाई के लिए भारत सरकार सिंचित क्षेत्र विकास फंड में से धन उपलब्ध कराए। आज झाडगांव की झोंपड़ियां बहुत बुरी हालत में हैं। ग्राम झाड़गांव की झोंपड़ियों, ग्राम पंचायत झाड़गांव की ड़ेनों की सफाई नहीं होने से गांव पानी से घिर गए हैं, उनको सुविधाएं देने के लिए अविलम्ब कार्यवाही की जाए और अविलम्ब राज्य सरकार से रिपोर्ट ली जाए।